



॥ श्री यमदेव मूल मंत्र ॥
॥ ॐ यमाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमदेव मूल मंत्र ॥

॥ ॐ यमाय नमः ॥

यह सबसे सरल और सर्वाधिक प्रचलित मंत्र है।

जप संख्या: 108 बार प्रतिदिन।

धर्मराज मंत्र

॥ ॐ धर्मराजाय नमः ॥

यह मंत्र धर्म, न्याय, सदाचार और कर्मफल की स्मृति बनाए रखने हेतु जपा जाता है।

यम बीज मंत्र

॥ ॐ यं यमाय नमः ॥

यह मंत्र यमदेव के बीजाक्षर "यं" सहित जपा जाता है।

विस्तृत यम मंत्र

॥ ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं यमाय धर्मराजाय नमः ॥

इस मंत्र का जप श्रद्धा और संयम के साथ किया जाता है।

वैदिक यम मंत्र

ॐ यमाय त्वाङ्गिरस्वते पितृमते स्वाहा।

स्वाहा धर्माय स्वाहा धर्मपित्रे॥

यह वैदिक परंपरा में यम एवं पितृदेवों के सम्मान में प्रयुक्त मंत्रों में से एक है।

जप विधि

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

दक्षिण दिशा की ओर मुख करके आसन ग्रहण करें।

यमदेव का ध्यान करें।

तिल के तेल का दीपक जलाएँ।

काले तिल एवं पुष्प अर्पित करें।